B.Ed. IInd year

Subject :- Knowledge language and Curriculum

Topic :- Difference between Constructivist and Traditional Classroom

रचनात्मक एवं परम्परागत कक्षा-कक्ष में अन्तर

क्र० सं०	परम्परागत कक्षा-कक्ष	रचनात्मक कक्षा-कक्ष
1.	परम्परागत कक्षा-कक्ष शिक्षक केन्द्रित होता है।	रचनात्मक कक्षा-कक्ष छात्र केन्द्रित होता है।
2.	इसमें छात्र मुख्य रूप से अकेले ही कार्य करता है।	इसमें छात्र मुख्य रूप से समूहों में कार्य करते हैं।
3.	इसमें ज्ञान को जड़ (अक्रिय) के रूप में देखा जाता है।	इसमें ज्ञान को सक्रिय (गत्यात्मक) रूप में देखा जाता है, जो अनुभवों से सदैव परिवर्तित होता रहता है।
4.	इसके अन्तर्गत छात्रों का मूल्यांकन परीक्षणों एवं सही उत्तरों के माध्यम से होता है।	इसके अन्तर्गत छात्रों का मूल्यांकन उसके द्वारा किए गए कार्यों एवं निरीक्षण पर आधारित होता है।
5.	शिक्षक की भूमिका सत्ता के रूप में निर्देशात्मक होती है।	शिक्षक की भूमिका अन्तःक्रिया आधारित के रूप में होती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

क्र० सं०	परम्परागत कक्षा - कक्ष	रचनात्मक कक्षा - कक्ष
6.	शिक्षक छात्रो के लिए सूचनाएँ एकत्रित करते है। छात्र ज्ञान को प्राप्त करने वाले के रूप मे होते है।	शिक्षक छात्र को स्वयं के ज्ञान के निर्माण मे सहायता करते है।
7.	अधिगम पुनरावृत्ति पर आधारित होता है।	अधिगम अन्त: क्रिया आधारित होते है।
8.	पाठ्य सामग्री के रूप मे यहाँ पाठ्य-पुस्तको तथा अभ्यास पुस्तको को स्थान दिया जाता है।	पाठ्य सामग्री के रूप मे मूल सामग्री के स्रोतो को शामिल किया जाता है।
9.	इसमे निश्चित पाठ्यक्रम के प्रति प्रतिबद्धता को अधिक मान्यता दी जाती है।	इसमे छात्रो के प्रश्नो तथा उसकी रूचियो पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
10.	इसमे पाठ्यक्रम सम्पूर्ण के स्थान पर अंशो से प्रारम्भ होता है। यह आधारभूत कौशलो पर बल होता है।	यहाँ पाठ्यक्रम बड़े संप्रत्ययो पर बल देता है तथा सम्पूर्ण से चलकर अंशो की ओर अग्रसर होता जाता है।

Scanned with CamScanner